This question paper contains **4+1** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1216**

Unique Paper Code : **205502** **F**

Name of the Paper : **प्रश्नपत्र XV : आधुनिक कविता-2**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7,8

(क) छायाएँ मानव-जन की
दिशाहीन
सब ओर पड़ी-वह सूरज
नहीं उगा था पूरब में, वह
बरसा सहसा
बीचों-बीच नगर के:
काल-सूर्य के रथ के
पहियों के ज्यों अरे टूट कर
बिखर गये हों
दसों दिशा में ।

P.T.O.

अथवा

देवि लिबर्टी, तुमको प्रिय हैं
कटे सिरों की धवल मालिका ?
अपनी ओर ज़रा तो देखो,
बड़ी बनी हो विश्व-पालिका ।
निज तरुणों की ही कलेजियाँ
चबा रही हो वियतनाम में
लगता, कोई और न होगा
तुम्हीं रहोगी धरा-धाम में ।

अथवा

पट्टियों की तरह
जो बंधी जख्म पर
रोशनी मौत की लोरियाँ गा रही,
आ दबे पांव
तीखी हवा जिस्म पर
आग का सुर्ख मरहम लगा जा रही,
इस बिना नाम के
अजनबी देश में
सिर उठाना मना
सिर झुकाना मना
देखना और आँखें
मिलाना मना !

(ख) वो आदमी नहीं है मुकम्मल बयान है,
माथे पे उसके चोट का गहरा निशान है ।
वे कर रहे हैं इश्क पे संजीदा गुफ्तगू,
मैं क्या बताऊँ मेरा कहीं और ध्यान है ।
सामान कुछ नहीं है फटेहाल है मगर,
झोले में उसके पास कोई संविधान है ।

अथवा

मैं पूछ रहा हूँ इसीलिए यह बार-बार
वह दर्द कहाँ मर गया रोज जो होता था
जिससे वह एकाकी भी तड़पा करता था
वह बल, कविता ने पाठक से क्यों छीन लिया ?

अथवा

मगर इसका मतलब यह नहीं है
कि मुझे कोई गलतफहमी है
मुझे हर वक्त यह ख्याल रहता है कि जूते
और पेशे के बीच
कहीं-न-कहीं एक अदद आदमी है
जिस पर टाँके पड़ते हैं
जो जूते से झांकती हुई अंगुली की चोट
छाती पर

हथौड़े की तरह सहता है

और बाबूजी ! असल बात तो यह है कि जिंदा रहने के पीछे

अगर सही तर्क नहीं है

तो रामनामी बेचकर या रण्डियों की

दलाली करके रोजी कमाने में

कोई फर्क नहीं है ।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×15

(क) "ये उपमान मैले हो गए हैं ।" के माध्यम से कवि क्या कह रहा है ? विश्लेषण कीजिए ।

अथवा

'देवी लिबर्टी' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'देश हैं हम राजधानी नहीं' में कवि ने क्या भाव व्यक्त किया है ? सोदाहरण विवेचना कीजिए ।

अथवा

'किले में औरत' कविता में स्त्रीविषयक चिंता व्यक्त है । स्त्रीवादी आन्दोलन के संदर्भ में आप इसे किस रूप में देखते हैं ?

(ग) "'मोचीराम' कविता में धूमिल समकालीन मनुष्य की मुक्ति के विचार को प्रस्तावित कर रहे हैं ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

भवानीप्रसाद मिश्र के 'कालजयी' काव्य (निर्वाण सर्ग) की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए ।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 7,8

(क) अज्ञेय की कविता आज के कवियों को भाषा और शिल्प की दीक्षा दे सकती है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए ।

अथवा

'नागार्जुन सहज भाषा के कवि हैं ।' पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं के आधार पर उत्तर दीजिए ।

अथवा

"'मन का आकाश उड़ा जा रहा' गीत में कवि ने लोकविश्वास और रूढ़ियों में नए अर्थ भरने की कोशिश की है ।" इस गीत के आलोक में शम्भूनाथ सिंह के काव्य-शिल्प को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) दुष्यंत कुमार ने हिंदी ग़ज़ल और उर्दू ग़ज़ल में भाषा के स्तर पर क्या अन्तर (फर्क) पैदा किया है ? स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

रघुवीर सहाय की काव्य-भाषा की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'मोचीराम' कविता के आधार पर कवि धूमिल की भाषिक-संरचना का विश्लेषण कीजिए ।